भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2586
जिसका उत्तर मंगलवार, 15 दिसम्बर, 2015 को दिया जाना है

हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन

2586. श्री टी० जी० वेंकटेश बाबू:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार ने उक्त वाहनों हेतु प्रक्रिया में संशोधन करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या आगामी वर्षों में हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हेतु कोई लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या इन वाहनों के खरीददारों को छूट देने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी० एम० सिद्देश्वर)

(क) और (ख): 1 अप्रैल, 2015 से पहले, देश में हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन का केवल एक मॉडल उपलब्ध था और इसकी बिक्री अत्यंत सीमित थी। तथापि, फेम-इंडिया स्कीम की शुरुआत के बाद, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। परिणामस्वरूप, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की उपलब्धता बढ़ी है तथा हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री भी बढ़ी है। पिछले वर्ष हुई 477 वाहनों की बिक्री की तुलना में, इस वर्ष नवम्बर, 2015 तक हाइब्रिड वाहनों की कुल बिक्री 15000 वाहनों से अधिक है।

(ग) जी, हां। वर्ष 2020 से आगे प्रति वर्ष 6-7 मिलियन हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन बेचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। इस नई प्रौद्योगिकी को और बढ़ावा देने के लिए सरकार का राजकोषीय और मौद्रिक प्रोत्साहन देने का लक्ष्य है। सरकार की सहायता से 2020 तक संयची बिक्री के 6-7 मिलियन तक पहुंचने की आशा है।

(घ) अग्रिम घटे खरीद मूल्य के रूप में प्रोत्साहन पहले से ही अधिसूचित हैं तथा इसे क्रेताओं तक पहुंचाया जा रहा है।

*****